एग्री आर्टिकल्स
(कृषि लेखों के लिए ई-पत्रिका)
वर्ष: 02, अंक: 04 (जुलाई-अगस्त, 2022)
www.agriarticles.com पर ऑनलाइन उपलब्ध
© एग्री आर्टिकल्स, आई. एस. एस. एन.: 2582-9882

तिल में आधार एंव प्रमाणित बीज का उत्पादन

(*निशा, अक्षय भुक्कर एवं गगनदीप सिंह)
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार – 125001
संवादी लेखक का ईमेल पता: nishasamra28@gmail.com

तिल का वैज्ञानिक नाम सिसेमम इण्डिकम (2n=32) एवं कुल-पेडिलिएसि है । यह एक वर्षिय तेलिय फसल है। तिल का पैाधा 50 से 100 सेमी लम्बा एंव पीले रंग के पुष्प वाला होता है। तिल के बीजो मे 40-48 प्रतिशत तेल की मात्रा होती है । तिल भारत में मुख्यत खरीफ सीजन में बोई जाने वाली फसल है। तिल की फसल कम समय 100-135 दिनों में पककर तैयार होने वाली फसल है । तिल भारत में मुख्यत राजस्थान, मध्य-प्रदेश, गुजरात, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश आदि राज्यों में उत्पादन किया जाता है।

मिट्टी:- 7.5-8.0 की पीएज रेंज के साथ अच्छी तरह से सुखा रेतीले लोम मिट्टी और शुष्क एंव अर्द्धशुष्क जलवायु तिल बीज उत्पादन के लिए उपयुक्त है।

मौसमः- मुख्यत फसल बुवाई जून-जुलाई के दौरान की जा सकती है।

बीज चयनः- आधार बीज उत्पादन के लिए प्रजनक बीज एंव प्रमाणित बीज उत्पादन के लिए आधार बीज का चयन किया जा सकता है।

तिल बीज की किस्में:- बीज उत्पादन के लिए संबधित किस्म अधिसूचित होनी चाहिए। इसमें प्रताप, पंजाब तिल न. 1, आरटी 1, मधावी, गौरी आदि तिल की लोकप्रिय किस्में है।

बीजदर:-एक हेक्टेयर के लिए लगभग 5 किलोग्राम बीज की आवश्यकता होती है।

बीज उपचार:- बीजो को ट्राईकोड्रमा 4 ग्राम प्रति किलोग्राम या कार्बनडिजम 2 ग्राम प्रति किलो ग्राम से उपचारित कर सकते है। बुवाई से पहले 20 से 30 मिनट उपचारित बीजो को छाया मे सुखाऐ। बुवाई-कतार से कतार 30 सेन्टीमीटर एवं पौधे से पौधे के बीच की दूरी 30 सेन्टीमीटर पर बुवाई की जा सकती है।

सिचांई:- बुवाई के तुरन्त बाद बीज क्षैत्र की सिंचाई करे, इसके बाद साप्ताहिक अतंराल में तीन से चार बार सिंचाई करे।

उर्वरक:-मिट्टी की तैयारी के समय फार्म यार्ड खाद 25 टन/हैक्टेयर, अकार्बनिक उर्वरक नत्रजन 25 किलोग्राम फास्फोरस 50 किलाग्राम और 25 किलोग्राम पोटेषियम प्रति हेक्टेयर बेसल के रूप में उपयोग करे।

बीज क्षेत्र का निरीक्षण:- तिल प्राय: परपरागित फसल है इसमें न्यूनतम तीन निरीक्षण की आवश्यकता रहती है। प्रथम निरीक्षण पुष्पावस्था से पूर्व एवं द्वितीय निरीक्षण पुष्पावस्था में व तीसरा फली निर्माण के समय किया जाता है।

बीज क्षेत्र के मानक

➢ **प्रथ्थकरण:-** तिल बीज क्षैत्र की दूरी अन्य किस्म वाले तिल वाले बीज क्षैत्र से दूरी आधार बीज उत्पादन एवं प्रमाणित बीज उत्पादन के लिए न्यूनतम क्रमश: 100 एवं 50 मीटर होनी चाहिए।

➢ **विशिष्ट आवश्यकता:-** तिल बीज उत्पादन क्षैत्र में अधिकतम अवांछित पौधो की सख्यां आधार बीज एवं प्रमाणित बीज उत्पादन के लिए मानक क्रमश: 0.10 एवं 0.20 प्रतिशत होनी चाहिए। बीज जनित बीमारी (लिफ सपाट) युक्त पौधो की संख्या आधार बीज एवं प्रमाणित बीज उत्पादन के लिए मानक क्रमश: 0.50 एवं 1.0 प्रतिशत होनी चाहिए।

➢ **बीज मानक**

कारक	मानक	
	आधार बीज	**प्रमाणित बीज**
शुद्ध बीज (भार का न्यूनतम %)	97.0%	97.0%
अक्रिय पदार्थ बीज (भार का अधिकतम %)	3.0%	3.0%
अन्य बीज (अधिकतम कुल संख्या)	10/कि.ग्रा	20/कि.ग्रा
खरपतवार बीज (भार का अधिकतम)	10/कि.ग्रा	20/कि.ग्रा
अन्य प्रजातिया (संख्या का अधिकतम संख्या)	10/कि.ग्रा	20/कि.ग्रा
अंकुरण (न्यूनतम %)	80%	80%
नमी की मात्रा (अधिकतम %)	9.0%	9.0%

पैदावार:-अच्छी कृषि प्रबंधन की अवस्था में 3 से 5 क्विंटल प्रति हेक्टेयर औसत पैदावार हो सकती है।